Raj Express (Indore), 03rd October 2021, Page-2

आईआईटी में गांधी-शास्त्री का पुण्य स्मरण

क्षमा करने के मंत्र का पालन करें

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर आईआईटी इंदौर ने विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। समारोह की शुरुआत प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक), आईआईटी इंदौर ने एस.पी. होता, प्रभारी रजिस्ट्रार की उपस्थिति में नर्सरी के उद्घाटन के साथ हुई। 2000 वर्ग फुट की नर्सरी की संरचना अनुपयोगी सामग्री और आंतरिक प्रयासों से बनाई गई है। इसमें जैविक, औषधीय और हर्बल सहित विभिन्न पौधे हैं। इसके बाद महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन की विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं व पहलुओं को बताते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रंखला का आयोजन किया गया। इसमें स्टूडेंट्स, फैकल्टी, कर्मचारियों, परिवारों और बच्चों ने सक्रिय रुप से भाग लिया। इस दौरान बताया गया कि हम क्षमा करने और भूलने के मंत्र का पालन करें।

सत्य और अहिंसा की भावना से ही जीत सकते हैं दिल: प्रोफेसर जैन ने कहा हमें महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के कुछ गुणों को आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए। हमें क्षमा करने और भूलने के मंत्र का पालन करने की आवश्यकता है जैसा कि महात्मा गांधी ने किया था। हम किसी भी देश पर हथियार या बल से शासन करने में सक्षम हो सकते हैं लेकिन अगर हमें दिल जीतना है तो यह सत्य और अहिंसा की भावना से ही किया जा सकता है। हमें स्वच्छ से स्वास्थ्य, महात्मा गांधी के जनादेश और वर्तमान सरकार पर काम करना चाहिए। साध्य को साधनों को सही नहीं ठहराना चाहिए इसलिए हमें अपने गंतव्य तक जाने वाले मार्ग को चुनने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। लाल बहादुर शास्त्री का भी देश पर बहुत प्रभाव पड़ा है। उन्होंने जय जवान जय किसान के माध्यम से हरित क्रांति के बीज बोए थे।

महात्मा गांधी के जीवन व शिक्षाओं पर पुस्तकों का एक विशेष प्रदर्शन

भारत सरकार के आत्मनिर्भर कार्यक्रम के अनुरुप स्थानीय विकास के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रुप में, ग्रामीण विकास केंद्र (सीआरडीटी), आईआईटी इंदौर ने तक्षशिला व्याख्यान हॉल परिसर में विशेष आत्मनिर्भर स्टॉलों का आयोजन किया। इनका उपयोग सिमरोल-चोरल क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों और खादी व ग्रामोद्योग द्वारा जैविक एवं हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन, बिक्री के लिए किया गया। इसमें हुडा प्रिंटर और क्राफ्टर्स द्वारा हथकरघा व शास्त्रीय संगीत डिजाइन के साथ फैब्रिक, नेशनल लेदर आर्ट्स द्वारा हस्तनिर्मित खिलौने, यशवी फाउंडेशन द्वारा सामाजिक और ग्रामीण विकास, हैंडलूम क्लस्टर कसरावद आर्ट क्लस्टर और एमपी गारमेंट्स व बाटिक प्रिंट, सुपारी आर्ट और कलाकृति शामिल हैं। संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर द्वारा गांधी के जीवन पर पुस्तकों का एक विशेष प्रदर्शन भी किया गया था। डॉ. संदीप चौधरी, प्रमुख सीआरडीटी ने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए स्थानीय कारीगरों और सहयोगी अनुसंधान गतिविधियों को एक मंच प्रदान करने के सीआरडीटी के दृष्टिकोण से अवगत करवाया।